S.V.P.T.'s SARASWATI VIDYALAYA AND JR COLLEGE (SCI & COMM.)
GHODBUNDER ROAD THANE
I SUMMATIVE EVALUATION–2017-18

STD : X **MARKS -80**
DATE : **SUB:HINDI** **TIME:**

विभाग १-गद्य

प्र.१

क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

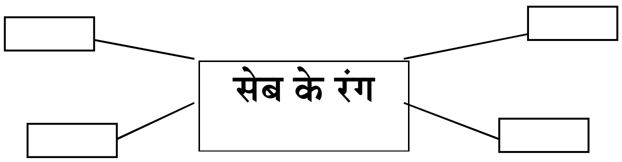

हिमालय की बर्फीली चोटियों की छाँव में फूल, फल, झरने और बँगलों वाले कूर्मांचल का नाम लेते ही मेरी आँखो के आगे रामगढ़ की एक शाम धुँधली तसवीर की तरह खिंच जाती है। एक बहुत ऊँची, वनाच्छादित पर्वतशृंखला के इस बाजू में मीलों लंबा एक फूलों का बगीचा है। सुनहले, हरे, पीले, सिंदूरी और गुलाबी सेबों से लदे पेड़ों की कतारें पार कर हम उस बँगले में जा पहुँचे है जिसमें महाकवि रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने कूर्मांचलप्रवास में कुछ दिन बिताए थे। बस की सड़क सैकड़ों फीट नीचे मटिवाले साँप की तरह घाटियों और जंगलो में रेंगती-सरकती चली जा रही है, सड़के के भी सैंकड़ों फीट नीचे तल्ली रामगढ़ के घरों की टीन वाली छतें दीख रही हैं और उनमें चलते-फिरते लोग चींटियों की

तरह लग रहे हैं, उधर समरफोर्ड के पहाड़ पर एक सफेद बादल उड़ता हुआ आकर टिक गया है और धीरे-धीरे धनुषाकार होता हुआ जा रहा है। बँगले के सामने के लान में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गई हैं और बगीचे के मैनेजर ने चाय बनवाकर मँगाई है।

२) घटनानुसार उचित क्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए (१)

१) लान में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गई ।

२) एक सफेद बादरल उड़ता हुआ आकर टिक गया है।

३) चलते-फिरते लोग चीटियों की तरह लग रहे है।

४) मैनेजर मे चाय बनवाकर मँगाई है।

उत्तर लिखिए :- (१)

पर्वत श्रृंखला की विशेषताँए

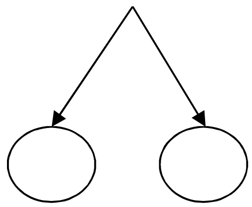

३) शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : (१)

१) चीटियाँ - ☐

२) सड़क - ☐

परिच्छेद में अए शब्दयुग्म लिखिए : (१)

४) अपने देखे हुए किसी प्राकृतिक दृश्य को लगभग ८ ते १० वाक्यों में लिखिए । (२)

प्र.१ ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

१) पलाश के अंग और उनके उपयोग लिखिए। (२)

i)

ii)

इस वृक्ष के अन्य अंग भी बड़े उपयोगी होते हैं। इसके पत्तों से पत्तल-दोने आदि बनाए जाते हैं। इनका उपयोग ब्याह-शादी के अवसर पर विशेष रूप से किया जाता है। पलाश के पत्ते हाथियों का प्रिय भोजन भी है। इन्हें भैंस और कुछ अन्य पालतू जीव बड़े शौक से खाते हैं। दक्षिण भारत की स्त्रियाँ पलाश के फूल अपने जुड़े में लगाती हैं। पलाश के तने, छाल और इसकी जड़ों से कागद बनाया जाता है। इसकी छाल और जड़ों के रेशेवाले भाग का उपयोग रस्सियाँ बनाने में किया जाता है।

भारत में पलाश के पत्तों का उपयोग दोने-पत्तल के साथ ही लाख के कीड़े पालने के लिए भी किया जाता है। इस समय पलाश की स्थिति अच्छी नहीं है। सन १९७५ के बाद लगभग तीन दशकों में दोने-पत्तलों की फैक्ट्रियाँ खुल जाने के कारण पलाश के जंगल-के-जंगल साफ कर दिए गए हैं।

पलाश के विनाश से पर्यावरणविद और वैज्ञानिक चिंतित हैं। उनका मत है कि अब उत्तक सवंर्धन (टिशू कल्चर) माइक्रोप्रवर्धन जैसी हाईटेक आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ही पलाश के नए वृक्ष लगाए जा सकते हैं। इस दिशा में 'टाटा ऊर्जा अनुसंधान केंद्र, हरियाणा और राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे' में शोधकार्य आरंभ हो चुका है। इस कार्य में यदि सफलता मिलती है तो हमें एक बार फिर से दहकते अंगारों जैसे पलाश के जंगल देखने को मिलेंगे।

२) परिच्देद में आई वैज्ञानिक संस्थाओं के नाम और जगहें चौखट में लिखिए। (२)

	जगह	संस्था का नाम
i)		
ii)		

३) i) परिच्छेद से 'इक' प्रत्यययुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए। (१)

i) ii)

ii) पहेली में से विलोम शब्द ढूँढकर लिखिए। (१)

जं	ण	
	ली	र्मा
नि		ग

i) विनाश ×

ii) पालतु ×

४) वृक्षों की अंधाधुंध कटाई के दुष्परिणामों पर अपने विचार ८-१० पंक्तियों में लिखिए। (२)

प्र.१ ग) **निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए-** (१)

१) भारत की चोहद्दी बाँधनेवाले घटक

1

2

२) भारत की विशेषता - ½

३) देश की एकता में बाधा बननेवाला घटक ½

भारत के भीतर यद्यपि, प्रांतीय भेदों को लिए हुए अनेक क्षेत्र मौजूद है; लेकिन इन तमाम भिन्नताओं को समेटकर भारत को एक पूर्ण देश बनाने का काम भी हमारे भूगोल ने ही किया। पहाड़ो और समुद्रो से घिरे हुए इस विशाल देश में जो एक मौलिक भाव है, वह हमारे भूगोल की देन है। भीतर से कुछ-कुछ बाँटा हुआ और बहार से बिलकुल एक, भारत की यह विशेषता बहुत पुरानी है । यह ठीक है कि प्रांतीयता के जोश में आकर कोई कोई क्षेत्र राष्ट्र की एकता से अलग होकर अपना स्वतंत्र अस्तित्व कायम करने के लिए जब जब कोशिश करते रहे है, मगर यह भी ठीक है कि सारे देश को एकछत्र शासन (चक्रवर्ती राज्य) के अंदर लाने का सपना भी यहाँ बराबर मौजूद रहा है । देश की इस मौलिक एकता के भाव ने प्रांतीयता के सामने कभी भी हार नहीं मानी ।

भूगोल ने भारत की जो चौहद्दी बोध दी है, उसके साथ दखलदांजी करने की कोशिश कभी भी कामयाब नहीं हुई। सीमा के बहार की दुनिया से भारत को अलग रखकर उसे भीतरी एकता के सूत्र में बाँधने की प्रेरणा यहाँ के भूगोल की सबसे बड़ी शिक्षा रही है ।

२) देश की विविधता में एकता को स्पष्ट कीजिए। (2)

पद्य विभाग २

प्र. २ च) **निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए** (2)

१) आकृति पूर्ण कीजिए -

[ ] —— नवयुग का विधान —— [ ]

|

गुणों का महत्त्व

शोषित कोई कहीं न जन रहे,

पीड़न-अन्याय अब न मन सहे,

जीवनशिल्पी प्रथम, प्रधान हो!

मुक्त व्यक्ति, संगठित समाज हो,

गुण ही जन-मन किरीट, ताज हो

नवयुग का अब नया विधान हो!

२) **चौखट पूर्ण कीजिए :**

i) (1)

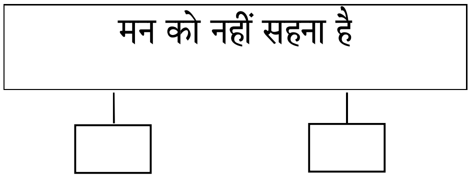

ii) (1)

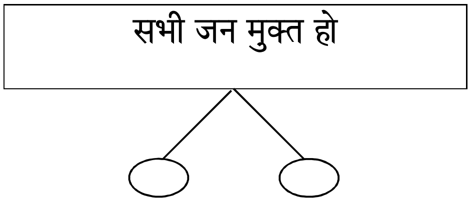

३) i) कविता में लय और संगीत निर्माण करनेवाले। (1)

शब्दों की जोड़ियाँ लिखिए।

ii) अन्याय शब्द 'अ' उपसर्ग लगाकर बना है। 'अ' उपसर्गं लगाकर बने हु अन्य (1)

शब्द .

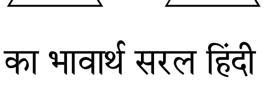

४) पद्यांश का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए - 2

प्र.२ छ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

१) चौखट पूर्ण कीजिए -

i) जीवन का वास्तविक उद्देश्य (1)

ii) निर्झर का संदेश —— (1)

निर्झर में गति ही जीवन है, रूक जाएगी यह गति जिस दिन। उस दिन मर जाएगा मानव, जग-दुर्दिन की घड़ियाँ गिन-गिन। निर्झर कहता है-बढ़े चलो, तुम पीछे मत देखो मुड़कर। यौवन कहता है-बढ़े चलो, सोचो मत क्या होगा चलकर। चलना है केवल चलना हैं, जीवन चलता ही रहता है। रूक जाना ही मर जाना है, निर्झर यह झरकर कहता है।

२) आकृति पूर्ण कीजिए।

i) गतिशीलता का प्रतीक है - (1)

ii) गति और निर्झर का संबंध (1)

३) i) पद्यांश में आई लययुक्त शब्दों की जोड़ियाँ लिखिए। (1)

i) ii)

ii) दुर उपसर्ग लगाकरू नए शब्द बनाइए।

जैसे - दुर् + दिन = दुर्दिन

भाग्य =

वचन =

४) पद्यांश क भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए: (2)

विभाग ३ पूरक पठन

प्र.३१) संजाल पूर्ण कीजिए : 2

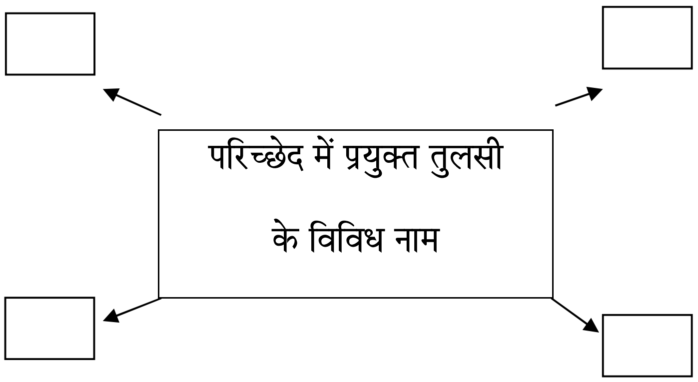

हिंदूस्तान में तुलसीदास भी प्रसिद्ध हैं और तुलसी का बिरवा भी, बल्कि अगर यों कहें कि यहाँ जनजीवन में तुलसी का पौधा बहुत महत्त्वपूर्ण है तो अत्युक्ति न होगी। अधिकांश हिंदू घरों में तुलसी का पौधा बहुत महत्त्वपूर्ण है तो अत्युक्ति न होगी,, अधिकांश हिंदू घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है, जिसकी कि स्त्रियाँ पूजा करती हैं। ग्रामीण या आम भाषा में लोग इसे तुलसा भी कहते है। इसी तुलसी के संबंध में विशेष बात यह है कि हिंदू धर्म में ही नहीं, ईसाई धर्म में भी इसे बहुत पवित्र माना गया है। अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेड बेसिल' यानी पवित्र तुलसी कहते हैं। और इसीलिए पवित्रता का बोध कराने के लिए आंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक नामकरण

में जो कि लैटिन भाषा में होता है, इसे 'ओसिमम सैक्टम' कहा गया है। अंग्रेजी का बेसिल शब्द ग्रीक भाषा के 'बसिलिफोन' शब्द से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है राजसी।

२) 'वन औषधि का महत्व' पर अपने विचार लिखिए। (2)

विभाग ४- व्याकरण

प्र.४ प्रश्न के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

१) i) शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए : ½

सुसज्जित

ii) अंधोरेखित शब्द का भेद पहचानिए : ½

<u>यह</u> क्या गोल माल है ?

२) वाक्य शुद्ध करके लिखिए : 1

आपका चिंता किस बात का है।

३) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए : 1

वाणी से मित्रता भी की जाती है।

४) प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए :- 1

भूलना :

५) i) अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए :- (1)

एकाएक

ii) अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए :- (1)

उफ् ! कितनी संपन्न है यह दुनिया।

६) काल परिवर्तन कीजिए : (2)

विनायक बाबू कुर्सी पर बैठ जाते हैं।

i) पूर्ण भूतकाल

ii) सामान्य भविष्यकाल ।

७) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : (1)

मन न लगना ।

अधोरेखित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- (1)

(सिर झुकाए बैठना/ पैर पकडना)

रोजी ने अपनी गलती होने पर पिताजी से <u>क्षमा याचना की।</u>

विभाग ५ रचना विभाग

प्र.५ १) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए :

'अंवतिका स्पोर्ट्रस ॲकडमी' पंचवटी, नाशिक द्वारा आयोजित राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु दिलीप/ दीपा कुलकर्णी शिवाजी रोड, पुणे-४०० ००५ से व्यवस्थापक के नाम लिखता/ लिखती है। (5)

अथवा

सुमन/ सुमन राजे, प्रभात रोड, औरंगाबाद से मा. व्यवस्थापक अजब बुक डेपो, नाशिक को पत्र लिखकर शालोपयोगी साहित्य की माँग करते हुए पत्र लिखता/ लिखती है।

२) **निम्नलिखित मुद्यों के आधार पर लगभग ८० से १०० शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए :-**

शेखर एक छोटा लड़का – माँ के साथ झोंपड़ी में रहना – बरसात के दिन- आँधी और तूफान आना- रेल की पटरी उखड़ जाना – शेखर की नजर में आना – रेलगाड़ी आने का समय होना- लाल कमीज पकड़कर पटरी पर खडा रहना- रेल रूकना - यात्रियों द्वारा भला- बुरा कहना – ड्रायव्हर का देखना – शेखर के कारण यात्रियों की जान बचना – राष्ट्रपति द्वारा स्वर्ण पदक ।

३) **गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हो :** (5)

ऐसा माना जाता है कि संगीत का प्रभाव औषधियों से कम नहीं है। एक शल्य-क्रिया के बाद किसी मरीज ने संगीत के चमत्कार का वर्णन किया। उसने बताया कि स्वास्थ्य लाा करते समय, उसने संगीत खूब सुना। वह कभी-कभी इसमें इतना खो जाता था कि वह अपनी दर्द निवारण गोलियाँ लेना भूल जाता था। संगीत शांतिदायक तथा मधुर होना चाहिए। कई बच्चे जन्म से ही बात नहीं कर सकते अथवा ज्यादा हिल-डुल नहीं सकते। संगीत का इतना बड़ा प्रभाव है कि ये लोग बोलने लगे तथा संगीत की ताल पर उनके हाथ-पैर का हिलना-डोलना शुरू हुआ। इस तणावपूर्ण दुनिया में संगीत के प्रभाव को नकार नहीं सकते।

प्र.६ १) **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ६० से ८० शब्दों में प्रसंग लेखन कीजिए :** (5)

मैं एक दिन घूमते हुए नदी किनारे चला गया। वहाँ मैने देखा कि कल-कारखानों से दूषित पानी छोड़ा जा रहा था, महिलाएँ कपड़े धो सही थी, लोग गाडियाँ धो रहे थे, यह नदी की अवस्था मुझे दिखाई दी।।

२) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तेयार कीजिए।

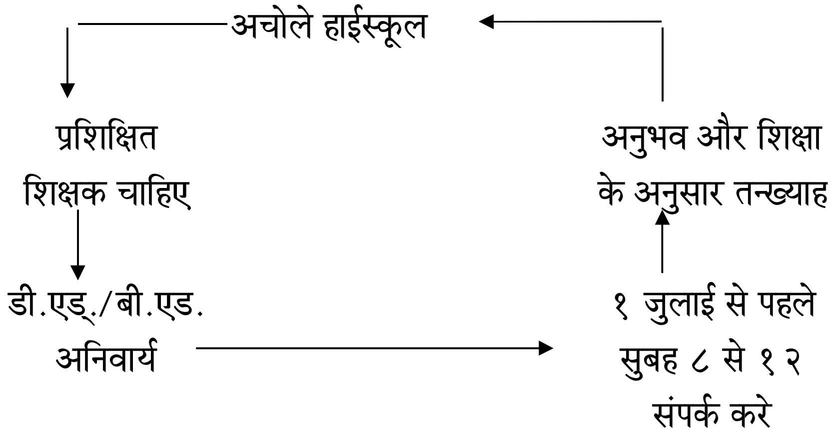

३) निबंध लेखन (लगभग ८० से १०० शब्दों में) (5)

किसी एक विषय पर निबंध लिखिए -

भ्रष्टाचार

मनोरंजन के आधुनिक साधन

नदी की आत्मकथा

**